जेंडर इंटेंशनल

महिला आरोग्य समिति
श्रृंखला संस्करण 2.0

इस उच्च प्रभाव दृष्टिकोण का उपयोग क्यों करें?

शहरी गरीबों के बीच परिवार नियोजन सेवाओं की पहुँच को आसान बनाने के लिए महिला आरोग्य समितियों का सशक्तिकरण

सामुदायिक स्तर पर गठित महिला आरोग्य समिति को सशक्त बनाकर तथा परिवार नियोजन पर इनकी जानकारी बढ़ाकर यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ये शहरी गरीबों की परिवार नियोजन सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में काम करें।

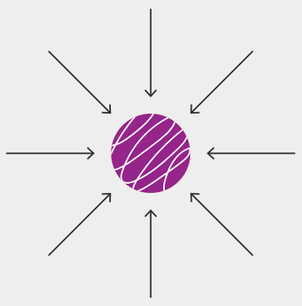

पहला चरण

महिला आरोग्य समिति के गठन के लिए सदस्यों की पहचान करें

उस समूह की पहचान करें जहाँ महिला आरोग्य समिति का गठन किया जाना है। शहरी आशा यहाँ समुदाय स्तर पर बैठक करके समुदाय की स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यकताओं का पता लगाये तथा इच्छुक और प्रतिबंध महिलाओं को चिन्हित करे जो महिला आरोग्य समिति की सदस्य बन सकती है। इन महिलाओं को समिति की भूमिका के विषय में समझाए।

दूसरा चरण

स्वास्थ्य के मुद्दों पर महिला आरोग्य समिति का क्षमता वर्धन

महिला आरोग्य समिति सदस्यों को परिवार नियोजन, मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य पर प्रशिक्षित करके उनकी क्षमता बढ़ाएँ। उन्हें पति-पत्नी के बीच संवाद को बढ़ावा देने और परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित करें। संबंधित आवश्यक प्रचार प्रसार सामग्री और जॉब एड उपलब्ध कराएं।आशा अपनी मासिक बैठकों का उपयोग उनकी क्षमता वृद्धि के लिए कर सकती हैं।

तीसरा चरण

अनटाइड फण्ड का उपयोग सुनिश्चित करें

शासकीय नियमानुसार महिला आरोग्य समिति का बैंक एकाउंट खुलवाए और उसमे समिति को अनटाइड फण्ड उपलब्ध कराये। समिति अपने समुदाय की स्वास्थ्य आवश्यकता और निर्धारित नियमो के अंतर्गत इस फण्ड को खर्च करने का निर्णय ले सकती है।

चौथा चरण

स्वास्थ्य अभियानों, विशेष कार्यक्रमों और ड्राइव में महिला आरोग्य समिति को शामिल करें

महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व गर्भनिरोधक दिवस, सास बहू सम्मेलन, पुरुष नसबंदी पखवाड़ा और स्तनपान सप्ताह जैसे कार्यक्रमों में जागरूकता बढ़ाने के लिए शामिल करें। इन अभियानों और कार्यक्रमों का उपयोग महिला आरोग्य समिति की पहचान और मान्यता बढ़ाने के लिए करें। ऐसी मान्यता समूह को प्रेरित करती है।

टी सी आई इंडिया के इस दृष्टिकोण को वैश्विक उच्च प्रभाव अभ्यास के तहत मैप किया गया है।

अधकि जानकारी के लयि देखें:
https://tciurbanhealth.org/courses/india-demand-generation/lessons/strengthening-womens-groups/